



अनान्सी और ज्ञान

- ✎ Ghanaian folktale
- 🌀 Wiehan de Jager
- 💬 Tanvi Sirari
- 💬 Hindi
- 📊 Level 3



बहुत पहले लोग कुछ नहीं जानते थे। उन्हें नहीं मालूम था कि फसल कैसे उगाते हैं, कपड़ा कैसे बुनते हैं, या लोहे के औजार कैसे बनाते हैं। भगवान न्यामे के पास आकाश में दुनिया का सारा ज्ञान था। उन्होंने उसे एक मिट्टी के बरतन में सुरक्षित रखा था।



एक दिन, न्यामे ने निर्णय लिया कि वो ज्ञान का बरतन अनान्सी को दे देंगे। हर बार अनान्सी बरतन में देखता वो कुछ नया सीखता। ये बहुत रोमांचक था।



लालची अनान्सी ने सोचा, "मैं बरतन को एक लम्बे पेड़ के ऊपर सुराश्रित रख दूंगा। उसने एक लम्बा धागा बुना, उसे बरतन के चारों ओर लपेट दिया और अपने पेट से बाँध दिया। उसने पेड़ पर चढ़ना शुरू किया। लेकिन पेड़ पर चढ़ना मुश्किल था क्योंकि बरतन उसके घुटनों पर पूरे समय लगता रहा।



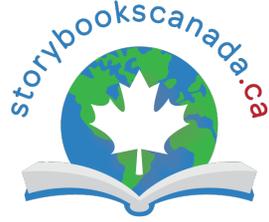
सारे समय अनान्सी का छोटा बेटा पेड़ के तले से देखता रहा। उसने कहा, “अगर आप बरतन को अपनी पीठ से बाँध लोगे तो चढ़ना आसान नही होगा?” अनान्सी ने ज्ञान से बरे बरतन को अपनी पीठ से बाँध कर देखा तो वो वास्तव में बहुत आसान था।



बहुत जल्दी वो पेड़ के ऊपर पहुँच गया। लेकिन फिर उसने रुककर सोचा, “मेरे पास सारा ज्ञान तो मेरे पास है, और मेरा बेटा मुझसे ज़्यादा हौशियार है।” अनान्सी इतना गुस्सा हुआ कि उसने मिट्टी का बरतन पेड़ से नीचे फेंक दिया।



वो ज़मीन पर टुटकर बिखर गया। ज्ञान सबमे बाँटने के लिये आजाद हो गया। और इस तरह से लोगों ने सीखा: फसल उगाना, कपड़ा बुनना, लोहे के औजार बनाना, और बाकी सारी चिजे जो लोग करना जानते हैं।



Storybooks Canada

storybookscanada.ca

अनान्सी और ज्ञान

Written by: Ghanaian folktale

Illustrated by: Wiehan de Jager

Translated by: Tanvi Sirari

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Canada in an effort to provide children's stories in Canada's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons
[Attribution 3.0 International License](http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/).